मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 116, मुंबई, शनिवार, 29 जून, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

बजट सिर्फ दिखावा

शरद पवार ने एकनाथ शिंदे सरकार पर
साधा निशाना

मुंबई। महाराष्ट्र में शुक्रवार को महायुति सरकार ने विधानसभा में बजट पेश किया। इस बजट को लेकर विपक्ष ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह बजट सादर किया है। इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बजट को लेकर महायुति सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बजट को गुप्त नहीं रखा गया है। बजट देखकर यह समज आ रहा है कि कुछ घोषनाएं सिर्फ घोषनाएं बनकर रहनेवाली है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार ने आगे कहा कि लोकसभा में हमारे गठबंधन ने 48 में से 31 सीटों पर जीत हासिल की है। जिससे महायुति को बड़ा झटका लगा है। सरकार ने लोकसभा में मिली हार और आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह बातें प्रस्तावित की गई है। इनमें से कितनी चीजें अस्तित्व में आएगी इस पर भी पवार ने संदेह जताया है। शरद पवार ने इस बजट को सिर्फ दिखावा बताया है

अजित पवार की घर वापसी को लेकर दिया बयान

कोल्हापुर में बोलते हुए शरद पवार ने अजित पवार की घर वापसी को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, विधायकों की वापसी के बारें में केवल प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ही जानते हैं। किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया है। मुझसे किसी ने इस बारें में बात भी नहीं की है।

उद्धव ने बजट को बताया झूठ का पुलिंदा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को विधानसभा में 2024-25 का बजट पेश किया। अब इस पर वार- पलटवार का दौर शुरू हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे द्वारा की गई बजट की आलोचना की और इसे झूठ का पुलिंदा बताया।

आश्वासनों की झड़ी है बजट

जानकारी के लिए बता दें कि उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के बजट को आश्वासनों की झड़ी और झूठी कहानी करार दिया था। उन्होंने कहा था कि यह समाज के हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ देने का दिखावा करता है। पूर्व सीएम ने कहा कि पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक भत्ता देने संबंधी मुख्यमंत्री माझी लडकी बहिन योजना विधानसभा चुनाव से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने का प्रयास है।

लद्दाख में बड़ा हादसा

सैन्य अभ्यास के दौरान नदी पार करते समय 5 जवान शहीद

मुंबई हलचल/संवाददाता

लद्दाख। लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में एक बड़ा हादसा हुआ है। कल यानी शुक्रवार देर रात करीब एक बजे अभ्यास के दौरान एलएसी के पास टी-72 टैंक पर सवार होकर नदी पार करते समय सेना के पांच जवान बह गए और उनके डूबने की आशंका जताई जा रही है। मामले पर लेह के रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि विस्तृत जानकारी सामने आ रही है और उसके अनुसार जानकारी साझा की जाएगी। मामले पर समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, लद्दाख में एलएसी के पास अचानक आई बाढ़ में सेना के 5 जवान बह गए। मिली जानकारी के मुताबिक, सेना का एक टैंक नदी के एक गहरे हिस्से को पार कर रहा था, तभी वह वहां पर फंस कर रह गया। इसी दौरान अचानक बढ़ गए जलस्तर के चलते उसमें पानी भर गया। सभी शवों को बरामद कर लिया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र के जालना में दर्दनाक सड़क हादसा

दो गाड़ियों में भीषण टक्कर, 7 लोगों की मौके पर मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के जालना में बड़ा सड़क हादसा होने की जानकारी सामने आई है। कहा जा रहा है कि दो कारों की टक्कर में 7 लोगों के मौत हो गई है। जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे है। बताया जा रहा है कि यह दर्दनाक हादसा बीती रात (18 जून) 11.00 बजे के करीब मुंबई नागपुर समृद्धी महामार्ग पर हुआ है। सुचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायलों को इलाज के लिए जालना के जिला अस्पताल ले जाया गया है। जहां उनका इलाज जारी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मिली जानकारी के अनुसार, छह लोग अर्टिगा कार से नागपुर से मुंबई की ओर जा रहे थे। साथ ही स्विफ्ट में सवार चार लोग विपरित दिशा से सिंदखेड राजा की ओर जा रही थी। इस दौरान ही यह भीषण हादसा हुआ। हादसे में घायल लोगों को समृद्धी महामार्ग और सिंदखेड राजा के एम्बुलेंस की मदद से जालना के जिला अस्पताल ले जाया गया। वहीं, पुलिस ने लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मोदी 3:0- बासी कढ़ी!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी शपथ को बीस दिन हो गए है। केबिनेट, संसद की बैठक, स्पीकर चुनाव और राष्ट्रपति का अभिभाषण सब हो गया है। तो सोचे, क्या आपको कोई एक भी क्षण, एक भी घटना, एक भी चेहरा, एक भी जुमला और एक भी ऐसा परिवर्तन दिखलाई दिया जिससे लगा मानों ताजा हवा का झौका हो। क्या केबिनेट में कुछ नया, ताजा दिखा? क्या प्रधानमंत्री दफ्तर, सरकार की आला नौकरशाही में कोई परिवर्तन झलका? ऐसी कोई नई प्राथमिकता, नया मुद्दा, नया विषय प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के मुंह से निकला जिससे लगे कि जिन बातों (रोजगार, महंगाई, बेहाल जिंदगी, नौजवान आबादी, किसान, मजदूर, मध्यवर्ग आदि) पर मतदाताओं ने मोदी के चार सौ पार के नारे को नकारा, तो उससे सबक सीख कर जिंदगी के रियल मसलों पर मोदी 3:0में नया कुछ बनने की संभावना है? इस बात को इस तरह भी रख सकते है कि मतदाताओं ने नरेंद्र मोदी को बदलने का मैसेज दिया, विपक्ष में दम भरा तो शासन और राजनीति में आम रायसे, सबसे सलाह करके, सबसे पूछ कर निर्णय का नया सिलसिला बनना चाहिए था या नहीं? उस नाते क्या नरेंद्र मोदी को अपने को रिइंवेंट नहीं करना था? भाषण कम करके, विपक्ष से पंगा कम ले और सवार्नुमति बना कर राज करने का नया अंदाज। मैं, मैं भगवान, मैं महान की बजाय हम, एनडीए, भाजपा और पक्ष-विपक्ष सब एक ही देश के अंशधारी है, यह सोचते हुए सबका साझा,सबका साथ, और सबके विकास की जुमलेबाजी को नई तरह से गढ़ा जाना चाहिए था। मतलब प्रधानमंत्री खुद ही विपक्ष से बात करके, विपक्षी नेताओं को बुलाकर आम राय से ऐसा स्पीकर बनाते जिससे संसद की आभा बढ़ती। बुद्धी, मेघा, अंग्रेजी-हिंदी की भाषागत प्रवीणताओं और व्यवहार से वैश्विक जमात, मंच और संगठनों में भारत की उपस्थिति मौजूदगी हो तो दुनिया को लगे कि सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का स्पीकर कैसा भव्य व्यक्तित्व लिए हुए है। क्या आपको लगता है ऐसी कोई भी चिंता या दिल-दिमाग में सोच का परिवर्तन नरेंद्र मोदी3:0 में आया है? असलियत में बीस दिनों में नरेंद्र मोदी ने हर वास्तनिकता से मुंह चुराया है। चुनाव नतीजों के बाद नरेंद्र मोदी ने न तो भाजपा के पदाधिकारियों से सीधे-सीधे बात की और न भाजपा संसदीय दल की बैठक बुला कर उसमें नतीजों और नए नेता के चुनाव पर विचार किया। न ही संघ परिवार के पदाधिकारियों को बुला कर उनके साथ विचार, सलाह और परस्पर विश्वास बनाने जैसी कोई पहल की। विपक्ष और विपक्ष की सबसे पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष से सीधी बात करने की हिम्मत नहीं दिखाई। राजनाथसिंह को आगे करके सहयोगी दलों और विपक्षी नेंताओं से दिखावे का सलाह-मशविरा था। किया वही जो मन में था।सभी निर्णय उसी ढर्रे में जो पिछले कार्यकाल से चला आ रहा है। इसलिए भाजपा के भीतर या सरकार में या संसद में वही होगा जो पहले होता आया है। नई सरकार का पालने में बीस दिनों के लक्षण वही है जो दस सालों का ढर्रा है।

आइए सोचें कि अपने देश को तबाह होने से कैसे बचाया जाए ?

आदर्श शासन की बुनियाद इस बात पर नहीं है कि शासक को लोगों के सामने जवाब देना है। इतिहास में जो आदर्श शासन रहा वो उन लोगों पर आधारित है जो अपने ईश्वर से डरने वाले थे, और जिन को इस बात पर पूरा विश्वास था कि मरने के बाद उसी ईश्वर की ओर जाना है, जिस, ने हमें पहली बार जीवन दिया है, और न सिर्फ जाना है बल्कि अपने जीवन के एक एक पल का हिसाब भी देना है, यही वजह है कि देश के खजाने में कोई एक रुपए का भी घपला नहीं, ईश्वर के डर की एक मिसाल, एक खलिफा,याने शासक की देखिए, एक बार हजरत उमर (रजी) घर में सरकारी हिसाब किताब अपने कारिंदों के साथ कर रहे थे कि सरकारी कार्य होते ही उन्होंने चिराग बुझा दीया, और दूसरा चिराग रोशन कर दिया, कारिंदों ने पूछा , ऐ खलिफा, यह बात समझ में नहीं आई, कि आपने एक चिराग बुझा कर दूसरा चिराग जला दिया, वो कहने लगे पहले जो चिराग रोशन था, उसमें सरकारी तेल जल रहा था, और सरकारी कार्य हो रहा था, अब मुझे अपना निजी काम करना है इसलिए मैंने अपना जाती चिराग रोशन कर दिया।

वो तो खलिफा थे, अगर सरकारी माल अपने इस्तेमाल में भी ले आते, तो उन्हें टोकने वाला कोन था, अपने घर में सरकारी चिराग से थोड़ा सा फायदा उठा ने में उन के खिलाफ कौनसा अविश्वास प्रस्ताव आ जाता। लेकिन उन के दिल में उस ईश्वर का भय था जो बड़ा बारीकीसे देखने वाला है, जिस की निगाह में हैं, इंसानों के तमाम कार्य, उस की निगाह में हैं तमाम बन्दे । ईशभय और जवाबदेही का एहसास ही इन्सान को। हर किस्म की बुराई और अमानत में गड़बड़, घोटालों से बचा सकता है। वरना दिलों में ईश्वरीय डर खौफ न हो तो फिर चिराग का तेल क्या, देश का तेल निचोड़ लेना भी आसान हो जाता है, अपने देश के घोटाले इस बात के गवाह हैं, चपरासी से लेकर मंत्री , संत्री हर कोई जैसे जिस के हाथों पढ़ रहा है, बहती गंगा में वो हाथ धोह रहा है, हमें इसी देश कि एक मिसाल ऐसी भी याद आई कि एक बड़ी कंपनी में काम करने वाले, कंपनी के जनरल मैनेजर ने जब किसी वजह से अपना इस्तीफा दिया, कंपनी को चार्ज देने लगे, तो अपने चार्ज की जहां तमाम चीजों को लौटाया, वहीं चन्द कोरे कागजात भी थे जिसे देखकर कंपनी के मालिक उन्हें हैरत से देखते रहे, और कहने लगे,भाई ये कागजात लौटाने की क्या जरुरत थी, इन्हें तो अपने इस्तेमाल में लेआते। जनरल मैनेजर साहब कहने लगे, सर ये कंपनी की अमानत है, मैंने अपने जाती इस्तेमाल में इस की एक अलपीन भी नहीं लाई है।, मुझे आप से ज्यादा अपने रब के सामने जवाबदेही का एहसास है।

एक बार तो एक शासक के सामने अपनी ही बेटियों का एक मामला सामने आगया, बेटियों के मामले में इन्सान बड़ी नम्रता अपने दिल में रखता है, वो जब घर आए तो बेटियों ने कहा , अब्बा जान ईद आ रही हैं, क्या हमारे लिए इस ईद पर कपड़ों का प्रबंध हो सकता है? यानी इस प्रश्न से यह भी लग रहा है कि इस से पहले ईद पर उन्हें कपड़े न बनें हों, कहनें लगीं इस ईद पर नये कपड़ों का प्रबंध हो सकता है? बाप खलिफा है देश का शासक है उन के दिल पर क्या गुजरी होगी , कहने लगे ठीक है, मैं कोशिश करता हूं। दूसरे दिन खजानची से पूछा कि क्या मुझे दो महीने की तनख्वाह पेशगी (अड्वान्स पेमेंट)मिल सकती है,खजानची ने कहा बिल्कुल मिल सकती है, लेकिन आप को लिखकर देना होगा कि आप दो महीने ज़िन्दा रहें गे । समय का खलीफा शासक कहने लगे कि यह तो मुमकिन नहीं, फिर वो कहने लगा कि मैं पेशगी तनख्वाह कैसे दे सकता हूं? टऔर और खलिफा ने इस पर कोई नाराजगी नहीं दिखाई, बल्कि अपनी बेटियों को समझा दिया , बेटियों ने भी खुशी से धुले हुए कपड़े पहन कर ईद मनाई। ऐसे लोगों से समाज एक दम खाली नहीं, आज भी ऐसे लोगों को तलाश कर निकाला जासकता है, और देश को आदर्श बनाया जा सकता है। और फिर जो लोग इस फिल्ड में हैं, वो भी सोचें कि यह दुनिया के मजे लूटने के लिए देश की संपत्ति का गलत उपयोग करना और गरीब जनता का हक मारना कहां तक दुरुस्त है, और फिर इस प्रकार कमाई हुई दौलत कहां तक काम आएगी। आखिर एक दिन सब छोड़ देना होगा, इतनी सीधी साधी बात तो याद रखें कि एक दुनिया और है , एक यह जिसे छोड़ कर जाना है दुसरे वो जहां हमेशा के लिए जाना है, और दोनों का अन्तर सिर्फ एक सांस का है इधर एक सांस बंद हुई और उधार दुसरी दुनिया में इन्सान पहुंच गया, अपने दफतरे अमल, जीवन भर के कार्यों के साथ। अब वहां होगी, असल जांच, जिसने अच्छा बुरा जो कुछ किया है सब सामने आजाएगा। इस लिए अपने पैदा करने वाले का डर रखते हुए, अपनी ज़िम्मेदारियों को अदा करें, तो यही देश के हित में होगा। वरना अपने मनमाने तरिकों पर चलोगे, और लोगों को भी चलाना चाहोगे तो ।खुद भी गिरोगे और सब को लेकर गिरोगे। और इस दुनिया में भी एक दिन रुसवा होंगे, और मृत्यु के पश्चात वहां तो हमेशा का अजाब भुगतना पड़ेगा ।

आइए सोचें कि ... देश और देशवासियों की सेवा कैसे करें, और हमेशा के अजाब से कैसे बचें

मोहम्मद इब्राहिम खान
आकोट महाराष्ट्र

पटौदी पुलिस का युवाओं को नशा व साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता

नशे से शारीरिक, मानसिक व धन की होती है हानि : एसएचओ सज्जन सिंह

मुंबई हलचल/संवाददाता

पटौदी। तहसील पुलिस प्रशासन व सामाजिक संस्था बुजुर्ग सेवा फाउंडेशन के तत्वाधान में पटौदी थाना एसएचओ सज्जन सिंह के नेतृत्व में पटौदी के लॉयल जिम में युवाओं को नशे व साइबर क्राइम के प्रति एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसएचओ सज्जन सिंह ने युवाओं को नशे व साइबर क्राइम के प्रति विस्तृत जानकारी दी और कहा की नशा बहुत ही बुरी लत है जिससे हमारा शारीरिक, मानसिक नुकसान तो होता ही है साथ ही पारिवारिक, सामाजिक एवं धन का भी नुकसान होता है। इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि अपने परिवार व जान पहचान वालों को भी नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करना चाहिए। कार्यक्रम में साइबर क्राइम के बारे म भीं विस्तार से बताया

गया। कहा की साइबर ठग तरह-तरह के हथकंडे और लुभावने लालच देकर ठगी करते हैं जिससे हमें बचना है। यदि किसी के साथ भी साइबर ठगी होने पर 1930 नंबर पर कॉल कर अपनी तुरंत शिकायत दर्ज करा सकते है। इस मौके पर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने पर कई अवार्ड से सम्मानित हो चुके समाजसेवी डॉ.राजू खान पटौदी ने कहा की नशा बहुत बुरी लत है। नशे के कारण आज लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद हो चुका है । नशे की लत के कारण ई इंसान अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है। वहीं, अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो जाता है। इसलिए नशे से हम सभी को दूर रहना चाहिए। डॉ.खान ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर ठगी आजकल बहुत ज्यादा हो रही है। इसीलिए हमें कोई भी बिन पहचान नंबर की कॉल को नहीं उठाना और ना ही किसी भी अंजान कॉल का रिप्लाई देना चाहिए। इस अवसर पर रिटायर्ड कैप्टन हरिपाल सिंह ने युवाओं को कहा आप सब देश का भविष्य है यही उमर है जिसमें किसी भी गलत संगत व नशे से हमें बचना है। जो युवावस्था में नशे से बच गया वह जरुर कामयाब होता है। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष डॉ.गौतम सिंह तंवर ने भी कहा की नशे करने वाले व्यक्ति को समाज और परिवार में घृणा से देखा जाता है। इसलिए हमें नशे से दूर रहना चाहिए। इस अवसर सोनू यादव, कविता वर्मा, राम मदान, बाबू हकीम जी, कालू जागीरदार, डॉ.नवदीप, जिम कोच अमित लॉयल सहित काफी संख्या में युवा एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुस्लिम वेल्फेअर एसोसिएशन मुस्लिम रिजर्वेशन के लिए सक्रिय रूप से महाराष्ट्र सरकार से लड़ने के लिए तैयार

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। मुंबई के मराठी पत्रकार संघ में मुस्लिम एसोसिएशन की जानिब से मुस्लिम समाज के लिए रिजर्वेशन के लिए एक प्रेस कांफ्रेंस का इंतजाम किया गया जिसमें महाराष्ट्र राज्य सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा अनुमोदित शिक्षा में मुस्लिम समुदाय के लिए ५ प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। यह खेदजनक बात है और अब मुस्लिम वेलफेयर एसोसिएशन ने दावा किया है कि वह आरक्षण हासिल करने की मांग को लेकर आक्रामक रुख अपनाने और आंदोलन खड़ा करने के लिए तैयार है। इस मौके पर पत्रकार परिषद में मुख्य तौर पर एम ए खालिद, सलीम सारंग, ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफीसर, शबाना खान, माहुर महाराष्ट्र के मेयर फिरोज डोसानी, आकोला से जावेद जकरिया, के साथ साथ कई नामी गिरामी सख्सियात मौजूद रहे।

आर्थिक रूप से पिछड़े मुसलमानों के लिए यह आरक्षण कांग्रेस और एनसीपी की राज्य सरकारों द्वारा पेश किया गया था, जिसे बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी मजूरी दे दी थी। लेकिन बाद की किसी भी सरकार ने इसे महाराष्ट्र में लागू नहीं किया। आज आध्र प्रदेश में अगर चंद्रबाबू नायडू एनडीए सरकार का हिस्सा बनने के बाद भी मुस्लिम आरक्षण को बरकरार रख सकते हैं, तो महाराष्ट्र सरकार ऐसा करने में इतनी झिझक क्यों रही है? ये सवाल उठाया है सलीम सारंग ने यह कहते हुए कि हम केवल आर्थिक रूप से पिछड़े मुसलमानों के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं, सगठन के प्रतिनिधिमंडल ने इस मांग को लेकर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने की भी चेतावनी दी है।'अगर एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जो अब भाजपा की सहयोगी और एनडीए सरकार की प्रमुख सदस्य है, आंध्रप्रदेश प्रदेश में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण दे सकती है, तो महाराष्ट्र सरकार इसे से लागू क्यों नहीं कर रही है? शिक्षा के मामले में मुस्लिम समुदाय अभी भी आर्थिक बाधाओं के कारण पिछड़ा हुआ है, छह से 14 वर्ष की आयु के बीच के 75 प्रतिशत बच्चे पहले कुछ वर्षों के भीतर स्कूल छोड़ देते हैं। गरीबी रेखा के नीचे मुसलमानों का अनुपात भी 2 से 2.5 प्रतिशत है और इन सबका मूल कारण शिक्षा की कमी है। इसलिए मुसलमानों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने के लिए यह आरक्षण जरूरी है उन्होंने कहा अगर मुस्लिम बच्चे सीखेंगे तभी उनके परिवारों और समुदाय का भविष्य बेहतर होगा।' ऐसा लगता है कि प्रत्येक पार्टी चुनावों में केवल वोट पाने के लिए मुसलमानों का उपयोग करती है। लेकिन मुसलमानों के हक के लिए कोई लड़ता नजर नहीं आता मुसलमान वोट तो देते हैं लेकिन उन्हें वोट देने का मौका नहीं मिलता। लगभग सभी पार्टियों में मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या में बड़ी गिरावट देखी गई है। क्या यह जानबूझकर मुसलमानों को राजनीतिक नेतृत्व से दूर रखने की चाल है? ऐसा लगता है कि मुसलमानों को शैक्षणिक आरक्षण के साथ-साथ राजनीतिक आरक्षण की भी मांग करनी बाहिए इसलिए, जो पार्टी अगले चुनाव में मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे को अपने घोषणापत्र में शामिल करेगी, उसे मुसलमानों का समर्थन मिलेगा, प्रतिनिधिमंडल ने कहा। ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफीसर ने बताया कि मुस्लिम समाज के लिए रिजर्वेशन के लिए हमारी ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन हमेशा मुस्लिम वेलफेयर एसोसिएशन के साथ खड़ी रहेगी। मुस्लिम बेलफेयर एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य प्रतिनिधिमंडल में शामिल सलीम सारंग, एम। ए। खालिद, शबाना खान और अब्दुल मतीन ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वे मुस्लिम आरक्षण की माग और मजबूती से करने के लिए तैयार है। अगले चरण में प्रदेश के हर जिले में कलेक्टरों को इस माग का विवरण दिया जाएगा। साथ ही प्रतिनिधिमडल राज्य के महामहिम राज्यपाल से मिलकर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करेगा और इस आरक्षण की मांग रखेंगे।

मुजफ्फर हुसैन के पिता का निधन

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व कार्याध्यक्ष सैय्यद मुजफ्फर हुसैन के पिता सैय्यद नजर हुसैन का गुरुवार रात देहावसान हो गया। वे 90 वर्ष के थे। शुक्रवार सुबह से ही उनके आवास नूर मंजिल नया नगर मीरा रोड में श्रद्धांजिल देने वालों का तांता लगा रहा। उन्हें शुक्रवार अपराह्न 3.15 बजे मीरा रोड स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस अवसर पर उनके परिवारजन और बड़ी तादाद में मीरा-भायंदर एवं मुंबई महानगर के आमों खास उपस्थित थे। मीरा रोड के शिल्पकार के रूप में प्रसिद्ध स्व. नजर हुसैन अपने सादा जीवन, सामाजिक कार्यों, धर्म निरपेक्ष और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पित आचरण के लिये जाने जाते थे। उनकी शोक सभा रविवार शाम पांच बजे नूर मंजिल मीरा रोड पर रखी गई है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र का बजट सिर्फ दिखावा

वह पूरी नही की जाएगी। संवाददाताओं से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि बजट को गुप्त नहीं रखा गया है। कुछ घोषनाएं सिर्फ घोषनाएं बनकर रहनेवाली है। वह पूरी नही की जाएगी। बजट में कई ऐसी चीजें है, जो मुहैया नहीं कराई जाएगी। सरकार ने आगामी चुनाव को देखते हुए यह बजट पेश किया है। शरद पवार ने महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने यह बजट पेश कर दिखाने का प्रयास किया है कि सरकार ने कुछ अच्छा किया है। ठाकरे ने पूछा कि बेरोजगारी बढ़ने के बावजूद पुरुषों के लिए इसी प्रकार का भत्ता क्यों नहीं घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि नौकरियां सृजित करने के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा, बजट आश्वासनों का पुलिंदा है। यह समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का एक फर्जी प्रयास है। इसे (उपमुख्यमंत्री) देवेंद्र फडणवीस झांसा कहते हैं। बीते दिन विधानसभा में उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री अजित पवार ने 20,051 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का बजट पेश किया। इसमें उन्होंने महिलाओं, युवाओं और किसानों समेत विभिन्न वर्गों के लिए 80 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय की घोषणा की।

महाराष्ट्र के जालना में दर्दनाक सड़क हादसा

पुलिस ने बताया कि रात करीब 11 बजे समृद्धी हाईवे पर पेट्रोलिंग के दौरान कंट्रोल रूम को हादसे की सुचना मिली। पुलिस ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया तो साफ हो गया कि स्विफ्ट डिजायर और अर्टिगा कार में भिड़ंत हुई। बताया जा रहा है कि अपघातग्रस्त एक कार गलत दिशा से आ रही थी। मिली जानकारी के अनुसार, छह लोग अर्टिगा कार से नागपुर से मुंबई की ओर जा रहे थे। साथ ही स्विफ्ट में सवार चार लोग विपरित दिशा से सिंदखेड राजा की ओर जा रही थी। इस दौरान ही यह भीषण हादसा हुआ। हादसे में घायल लोगों को समृद्धी महामार्ग और सिंदखेड राजा के एम्बुलेंस की मदद से जालना के जिला अस्पताल ले जाया गया। वहीं, पुलिस ने लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में अर्टिगा नें सवार फैजल शकिल मन्सुरी, फय्याज मन्सुरी, अल्थमेस मन्सुरी और स्विफ्ट में सवार लक्ष्मण मिसाल, संदीप बुधवंत, विलास कायदे का मौके पर मौत हो गई। जालना के सरकारी जिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमेश जाधव ने बताया कि छह शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाया गया है। उन्होंने बताया कि तीन घायलों का इलाज जालना के सरकारी जिला अस्पताल में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को छत्रपति संभाजीनगर जिले के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई।

लद्दाख में बड़ा हादसा

अन्य मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो घटनास्थल पर कोई भी झड़प नहीं हुई है। घटना पर अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख के न्योमा-चुशुल क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास यह घटना 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास देर रात करीब एक बजे अभ्यास के दौरान हुई। अधिकारियों ने बताया कि पांच सैनिकों को लेकर जा रहा टी-72 टैंक नदी पार करते समय अचानक आई बाढ़ के कारण डूब गया। बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। इस घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिल पाई है।

हनीहनीने सबसे बड़े पेरेंटिंग स्टोर का उद्घाटन किया

ठाणे। हाई-एंड मां और शिशु उत्पादों के लिए भारत का प्रमुख ब्रांड, हनीहनी ने टियारा कॉम्प्लेक्स, पोखरण रोड नंबर 2, ठाणे में अपने 10वें और महाराष्ट्र में दूसरे स्टोर के भव्य उद्घाटन कियाहै। उद्घाटन में असाधारण भीड़ देखी गई, क्योंकि भावी माता-पिता और परिवार प्रीमियम पेरेंटिंग उत्पादों तक अद्वितीय पहुंच और हनीहनी द्वारा पेश किए गए असाधारण खरीदारी अनुभव का अनुभव करने के लिए उमड़ पड़े। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि युविका चौधरी ने इस महत्वपूर्ण अवसर में स्टार पावर जुड़ गई।

नए स्टोर का लक्ष्य आधुनिक माता-पिता की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना है, जो घुमक्कड़, गाड़ी, खाट, पालने और अन्य आवश्यक पालन-पोषण उत्पादों का एक व्यापक चयन पेश करता है, जो सभी गुणवत्ता, सुरक्षा और शैली के उच्चतम मानकों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। हनीहनी के परिचालन प्रमुख श्री श्रीकांत कोमारला ने नए स्टोर के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा- हम अपने 10वें स्टोर, ठाणे में हनीहुनी के प्रीमियम मां और शिशु उत्पादों को लाने के लिए उत्साहित हैं। यह मील का पत्थर पूरे भारत में माता-पिता के विश्वास और प्यार को दशार्ता है। हमारा ठाणे स्टोर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के साथ एक असाधारण खरीदारी अनुभव प्रदान करता है जो सुरक्षा, शैली और नवीनता को प्राथमिकता देता है। हम माता-पिता को उनके छोटे बच्चों के लिए सर्वोत्तम उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए समर्पित हैं।

छत्रपति शाहू महाराज ने समाज को दी नई दिशा : तायड़े

जलगांव। शहर के माता रमाबाई अंबेडकर विद्यालय व जूनियर कॉलेज में छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। प्राचार्य श्रीकांत तायडे सर ने छत्रपति शाहू महाराज के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय पाटिल, प्रदीप इंगले रहे। इस अवसर पर छात्र ओम चव्हाण ने छत्रपति शाहू महाराज के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की। इस अवसर पर शिक्षकों ने भी अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए बच्चों को महाराज के संघर्ष भरे जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अध्यक्षीय भाषण में श्रीकांत तायड़े ने भारतीय संविधान के निमार्ता छत्रपति शाहू महाराज, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर और महात्मा ज्योतिराव फुले सावित्रीबाई फुले छत्रपति शाहू महाराज के कार्यों की सराहना की। छत्रपति शाहू महाराज के कार्यों की सराहना करते हुए सभी को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पूनम भंगाले ने किया। शालू शेंगदाने, भारती चौधरी किशोर सैंदाने आदि शिक्षण स्टाफ ने कार्यक्रम की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की।

पूर्वांचल, बिहार, झारखंड, त्रिपुरा और कर्नाटक में कर रहे जालसाजी

सॉल्वर गिरोह के 33 सदस्य रडार पर राजस्थान से 10 स्टूडेंट को धर-दबोचा

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की ताबड़तोड़ कार्रवाई

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के रडार पर पूर्वांचल, बिहार, झारखंड, त्रिपुरा और कर्नाटक के सॉल्वर गिरोह के 33 सदस्य हैं। सभी 2021 में नीट में फर्जीवाड़े के प्रयास के आरोप में सारनाथ थाने में दर्ज मुकदमे के आरोपी हैं। आईएमएस बीएचयू के दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय की बीडीएस की छात्रा रही पटना की जूली कुमारी को 12 सितंबर 2021 को नीट परीक्षा के दौरान सारनाथ के एक केंद्र से गिरफ्तार किया गया था। वह त्रिपुरा की रहने वाली हिना विश्वास की जगह परीक्षा देते पकड़ी गई थी।

इसके बाद 48 आरोपियों का नाम आया था। अहम सूत्रधार मिर्जापुर के चुनार थाने के कैलहट के डॉ. शरद पटेल को 22 अप्रैल को एसटीएफ ने आरओ-एआरओ परीक्षा-2023 का पेपर लीक कराने के आरोप में गिरफ्तार किया था। वह मेडिकल प्रवेश परीक्षा में धांधली के मामले में आरोपी रहे हैं।

देश के कई राज्यों में फैला रखा था जाल

डॉ. शरद का एक करीबी भी लपेटे में

सॉल्वर गैंग के डॉ. शरद सिंह पटेल का नाम नीट परीक्षा में फर्जीवाड़े के प्रयास में 2022 में सामने आया था। मुकदमे के तत्कालीन विवेचक के प्रार्थना पत्र पर अदालत ने डॉ. शरद के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया था। उसी दौरान एक व्यक्ति ने विवेचक पर अष्टाचार का आरोप लगाते हुए कमिश्नरेट के अफसरों को प्रार्थना पत्र दिया और विवेचना रोहनिया थानाध्यक्ष को स्थानांतरित कर दी गई। बताया जा रहा है कि पूछताछ की जद में डॉ. शरद का वह करीबी भी आएगा।

राजस्थान में भी कार्रवाई, मेडिकल कॉलेज के 10 स्टूडेंट्स गिरफ्तार

देश भर में नीट परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वालों के खिलाफ जांच एजेंसियां कार्रवाई कर रही हैं। नीट परीक्षा में फर्जीवाड़े के तार अब राजस्थान में झालावाड़ मेडिकल कॉलेज से जुड़े हैं। जहां जांच एजेंसियों ने डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा देने के आरोप में 10 छात्रों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई की टीम ने इस कॉलेज के 10 छात्रों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 8 को जमानत मिल चुकी है। फिलहाल 2 छात्र अभी भी पुलिस की कस्टडी में हैं। इन छात्रों पर 15-15 लाख रुपए लेकर डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षा देने का आरोप है।

नीट-यूजी जांच: सीबीआई ने गोधरा के चार आरोपियों की रिमांड मांगी

गोधरा। सीबीआई ने पंचमहल जिले के गोधरा में पांच मई को नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं में कथित रूप से शामिल रहने के मामले में गुजरात पुलिस द्वारा गिरफ्तार पांच लोगों में से 4 लोगों की चार दिन की रिमांड की अपील की। सीबीआई के वकील ध्रुव मलिक ने जिला अदालत को सूचित किया कि गुजरात पुलिस ने पहले जांच की है, लेकिन एजेंसी को इन आरोपियों को हिरासत में लेने की जरूरत है क्योंकि वह नए सिरे से जांच कर रही है। पंचमहल के प्रधान जिला न्यायाधीश सीके चौहान ने सीबीआई के रिमांड आवेदन पर आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस या जांच एजेंसियां गिरफ्तारी के बाद शुरुआती 15 दिन से अधिक किसी आरोपी की हिरासत की मांग नहीं कर सकतीं। मलिक ने कहा उचित लगे तो 15 दिन से अधिक रिमांड दी जा सकती है।

मुखिया ने ही सिपाही भर्ती का पेपर लीक कराया

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने सिपाही भर्ती पेपर लीक में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि शिक्षक भर्ती परीक्षा के बाद सिपाही भर्ती परीक्षा का मास्टरमाइंड भी नालंदा के नगरनौसा निवासी संजीव मुखिया उर्फ लूटन को है। एक अक्टूबर, 2023 को कांस्टेबल भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र लीक हुआ था। दो दिन पहले ईओयू को इस केस में बड़ी लीड मिली थी। टीम ने छापेमारी कर बंगाल के 3 लोगों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया।

राज्य सरकार ने खोला खजाना

महिलाओं को हर माह मिलेंगे 1500 रु., बिजली बिल माफ

महाराष्ट्र सरकार ने बजट पेश किया

मुंबई हलचल / मुंबई

महाराष्ट्र की एनडीए सरकार ने चुनावी सीजन में पेश बजट में बड़े ऐलान किए हैं। वित्त मंत्री अजित पवार की ओर से पेश बजट में मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना तर्ज पर महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपए देने का ऐलान किया है।

इस स्कीम का फायदा 21 से 60 साल तक की उम्र की महिलाओं को मिलेगा। इस स्कीम का नाम 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' रखा गया है। इस स्कीम को 1 जुलाई से ही लागू कर दिया जाएगा और लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इस स्कीम के लिए 46 हजार करोड़ रुपए का सालाना बजट तय किया गया है।

5 सदस्यों वाले परिवार को हर साल 3 सिलेंडर फ्री

एकनाथ शिंदे सरकार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के ठीक पहले यह फैसला लिया है। मुंबई क्षेत्र में वैट में कटौती की गाई है और इसके चलते पेट्रोल एवं डीजल के दामों में भी कमी आई है। एक और कल्याणकारी योजना का ऐलान करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि 5 सदस्यों वाले परिवार को हर साल 3 सिलेंडर फ्री में दिए जाएंगे। इसे मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना का नाम दिया गया है। शिंदे सरकार ने किसानों को भी साधने की कोशिश करते हुए बकाया बिजली बिल माफ करने का ऐलान किया है। इससे 44 लाख किसानों को फायदा मिलेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाई

इन स्कीमों के अलावा वैट कम होने से पेट्रोल की कीमत में 65 पैसे की कमी आई है। डीजल भी 2.07 रुपए कम हुआ है। यह कटौती पूरे राज्य नहीं बल्कि उकेले मुंबई क्षेत्र में ही लागू की जाएगी। डीजल की कीमत में कटौती करने से किसानों को भी फायदा होगा। राज्य सरकार के इस बजट से उम्मीद की जा रही थी कि कुछ कल्याणकारी योजनाओं का ऐलान होगा क्योंकि अगले कुछ महीनों में ही चुनाव होने हैं।

चाकू के वार से जख्मी फैजान से मिले आईएमसी नेता

मुंबई हलचल/संवाददाता

बरेली। इत्तेहाद ए मिल्लत कौंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान सहाब के निर्देश पर आईएमसी के प्रदेश संघठन प्रभारी नदीम कुरैशी की अगुवाई में आई एम सी का एक प्रतिनिधि मण्डल रुहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज पहुंचा और थाना बरादरी के जोगी नावादा में घायल हुए फैजान से और उसके परिजनों से मुलाकात की और हर संभव मदद का अस्वासन दिया, रुहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज में अच्छा इलाज ना मिलने पर नदीम कुरैशी ने सी एम ओ बरेली से बात कर फैजान को अच्छा इलाज देने को कहा, साथ ही इंस्पेक्टर बरादरी से बात कर कार्रवाही की मांग की गई इस मौके आईएमसी के बरेली जिलाध्यक्ष फरहत खान, महानगर अध्यक्ष मिर्जा मखदूम बेग, युवा महानगर अध्यक्ष अल्तमश रजा मौजूद रहे बताते चले बरेली शहर के मोहल्ला जोगी नवादा में कल रात फैजान पर एक समुदाय के लड़के ने फैजान की गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया। फैजान का बरेली का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद शहर में मुस्लिम संगठनों ने पुलिस प्रशासन से इस घटना पर चाकू मारने वाले पर सख्त करवाई करने का कहा है।

वारसी न्यूज टुडे समाचार पत्र का स्थापना दिवस मनाया गया

मेरठ गौरव सम्मान 2024 व मुशायरे का शानदार आयोजन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मेरठ। वारसी न्यूज टुडे समाचार के स्थापना दिवस के अवसर पर सगम आर्ट कल्चरल सोसायटी द्वारा मेरठ गौरव 2024 सम्मान समारोह मुशायरा एवं गीत संगीत संध्या कार्यक्रम का आयोजन आई.एम.ए. हॉल, निकट बच्चा पार्क मेरठ में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मेरठ जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार यादव, विशिष्ट अतिथि प्रशांत कुमार मास कम्युनिकेशन निर्देशक सीसीएस यूनिवर्सिटी श्री अरविंद कुमार गुप्ता एडीसी मेरठ एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अब्दुल जब्बार खान रहे कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ समाज सेवी मंजीत सिंह और मन्सूरूल इस्लाम वह अन्य अतिथियों ने फीता काट कर किया और कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित रीना शर्मा खुशबू शर्मा कोसर जहां ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में रजनीश कौशल, घनश्याम मित्तल, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण भारती, सरताज गाजी, अहमद, इंजीनियर रिफत जमाली यशोदा यादव एडवोकेट,

सिल्क हयात, नौशाद बल्लू सेठ, शायर, शाहिद महमूद, फिरोज शाह, अनवर चौधरी, अ. अलीम, टी.सी. गौतम, प्रवीण कुमार आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मौ. अशरफ व शहजाद उस्मान ने किया। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर मुशायरे में की अध्यक्षता डॉ. ऐजाज पॉपुलर मेरठी व संचालन इरशाद बेताब ने किया, इस अवसर पर डॉ एजाज पॉपुलर मेरठी डॉ. मुकर्रम अदना, रियाज सागर, डॉक्टर रामगोपाल भारती, इरशाद वाजिद मेरठी ने अपने शानदार कलाम पेश कर श्रोताओं को दिल जीता। कार्यक्रम में शालिनी जौहरी, पूजा सिंहल, बीना सहगल, अजरा खान, बुशरा खान, जुनैद फारूकी, डा. सरफराज, शाहिद अन्सारी, नौशाद अज्जू, शमशाद भाई, शहजाद भाई, मजहर फराज, असलम गुड्डू, एन.बी. नदीम, रईस अहमद कोटला, दिलशाद आलम, नदीम भारती, अदनान, रईस हिन्दुस्तानी, शाहिद सिद्दीकी, रुप राम, डॉ. शाह फैसल, अहसान इलाही, रईस सैफी, इत्यादि रहे। इस अवसर पर पुष्पेंद्र शर्मा दैनिक, वरिष्ठ पत्रकार अशोक गोस्वामी, विश्वास राणा, सलीम अहमद हिंदुस्तान समाचार पत्र, विनोद गोस्वामी संपादक, महफूज हसन, मान्यता प्राप्त पत्रकार हशमें आलम, ताज मोहम्मद संपादक, गौरव सिंह अध्यक्ष, शाहवेज शाह टाइम्स, अनिल गोढ मेरठ समाचार, नावेद खान, सुभाष संपादक, साजिद सिकंदर, जाहिदा खान महेश शर्मा, शिवम अग्रवाल आई नेक्स्ट समाचार पत्र, मोहम्मद अतीक, शाहीन खान पत्रकार, स्वाति भाटिया, राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित कोसर जहां, चुलबुल पांडे, रजनीश कौशल जिला मेरठ केमिस्ट एसोसिएशन महामंत्री घनश्याम मित्तल होलसेल एवं रिटेल एसोसिएशन महामंत्री सौरभ अग्रवाल, बुद्ध प्रकाश, जावेद खान शाहवेज अंसारी सरधना आदि को सम्मानित किया गया वारसी न्यूज टुडे समाचार पत्र के संपादक आसिफ अनवर वारसी ने सभी अतिथियों एवं पत्रकार बंधुओ का धन्यवाद अदा किया।

कृषि मंत्री चौहान ने ब्याज अनुदान दावों के निपटान हेतु वेब पोर्टल किया लॉन्च

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) के अंतर्गत बैंकों द्वारा प्रस्तुत ब्याज अनुदान दावों के निपटान की प्रक्रिया को स्वचालित और तेज करने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग और नाबार्ड द्वारा संयुक्त रूप से विकसित वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, नाबार्ड के अध्यक्ष, किसान कल्याण विभाग और बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर चौहान ने कहा कि मोदी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि अवसंरचना कोष को पीएम मोदी द्वारा

1 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग के साथ लॉन्च किया गया था ताकि फसलों के भंडारण की क्षमता बढ़ाई जा सके और किसानों के नुकसान को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि नए लॉन्च किए गए क्रेडिट दावों के स्वचालन से दावों का निपटान एक दिन के भीतर सुनिश्चित हो जाएगा, जो अन्यथा मैन्युअल निपटान के लिए महीनों लगते थे। उन्होंने कहा कि इस कदम से पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी और भ्रष्ट तरीकों पर रोक लगेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज तक कृषि अवसंरचना कोष के तहत 67,871 परियोजनाओं के लिए 43,000 करोड़ पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं, 72,000 करोड़ के निवेश को जुटाया गया है। इसके अतिरिक्त, बैंक ब्याज सबवेंशन दावों के त्वरित निपटान की उम्मीद कर सकते हैं।

मंत्रालय के अनुसार कृषि अवसंरचना कोष योजना को 2020 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य फसल कटाई के बाद प्रबंधन अवसंरचना के विकास के लिए नुकसान को कम करना, किसानों को बेहतर मूल्य का एहसास दिलाना, कृषि में नवाचार और कृषि अवसंरचना के निर्माण के लिए निवेश आकर्षित करना है। इस योजना के तहत बैंकों और वित्तीय संस्थानों के माध्यम से 2025-26 तक 1 लाख करोड़ की कुल राशि उपलब्ध कराई गई है। इस योजना में बैंकों द्वारा दिए गए 2 करोड़ तक के ऋणों के लिए 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान और बैंकों द्वारा भुगतान की गई क्रेडिट गारंटी शुल्क की अदायगी का प्रावधान है।

प्रेमानंद महाराज ने प्रदीप मिश्रा को दी नसीहत, समाधान का बताया 'रास्ता'

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

राधारानी विवाद को लेकर कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा और प्रेमानंद महाराज चर्चाओं में हैं। प्रेमानंद महाराज ने धर्म रक्षा संघ के प्रतिनिधि मंडल से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदीप छोटे भाई हैं। वे गलती मान लें, सारा विवाद यहीं खत्म हो जाएगा।

धर्म रक्षा संघ का एक प्रतिनिधि मंडल हनुमान टेकरी के महंत अधिकारी दशरथ दास महाराज के नेतृत्व में ब्रज के रसिक संत प्रेमानंद महाराज से मिलने शुक्रवार सुबह श्रीराधा केली कुंज पहुंचा। प्रतिनिधि मंडल ने बरसाना में प्रदीप मिश्रा के खिलाफ रमेश बाबा की अध्यक्षता में महापंचायत के बारे में प्रेमानंद महाराज को विस्तृत जानकारी दी और उनसे मार्गदर्शन का अनुरोध किया।

धर्म रक्षा संघ और हनुमान टेकरी के महंत भी नाराज

धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि 3 दिन की समय सीमा पूरी होने के बाद भी मिश्रा अपने अहंकारी स्वभाव के कारण टस से मस नहीं हुए, मगर अब हमारे धर्म योद्धा, संत और श्रद्धालु शांत नहीं बैठेंगे। राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्धीश महाराज ने कहा कि आजकल मिश्रा की आत्मा में बकासुर प्रवेश कर गया है। असमंजित प्रलाप कर रहे हैं।

ओवैसी ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि उनकी नाक के नीचे ये सब कैसे हो रहा

ओवैसी ने बंगले के सामने उपद्रव पर बिरला से की शिकायत

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने दिल्ली स्थित अपने सरकारी बंगले पर उपद्रवियों के उत्पात को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नाराजगी जताई है।

बिरला ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस भेजकर तलब किया, क्योंकि घटना उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में हुई है और ओवैसी का बंगला पुलिस मुख्यालय से थोड़ी दूर है। घटना के बाद ओवैसी ने बिरला से मुलाकात की थी। बिरला ने ओवैसी को कार्रवाई का भरोसा दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात 9 बजे के बाद की है। करीब

6-7युवा मध्य दिल्ली में 34 अशोक रोड स्थित ओवैसी के सरकारी बंगले पर पहुंचे थे। उन्होंने न केवल बंगले के गेट और दीवार पर ओवैसी के खिलाफ पोस्टर चिपकाए बल्कि उनके नामपट्ट पर काली स्याही पोत दी। घटना के बाद उपद्रवियों ने वीडियो बनाकर ओवैसी की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की और नारे लगाए। सोशल साइट एक्स पर उपद्रवियों का वीडियो आया। संसद में 18वीं लोकसभा का सत्र शुरू होने के बाद शपथ ग्रहण के दौरान ओवैसी ने संविधान की शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तीन का नारा लगाया, लेकिन जय हिंद नहीं कहा। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बताया है कि कुछ अज्ञात उपद्रवियों ने गुरुवार को उनके दिल्ली वाले घर पर काली स्याही फेंकी है।

ओवैसी ने कहा कि मैं अब यह गिनती भूल गया हूं कि मेरे दिल्ली आवास को कितनी बार निशाना बनाया गया है। उन्होंने बताया कि जब मैंने दिल्ली पुलिस से पूछा कि उनकी नाक के नीचे ये सब कैसे हो रहा है तो पुलिस ने असमर्थता व्यक्त की। ओवैसी ने एक्स पर इस घटना को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से भी सवाल किया। ओवैसी ने स्पीकर बिरला से पूछा कि हमें बताएं कि सांसदों की सुरक्षा की गारंटी होगी या नहीं। ओवैसी ने कहा कि वह इन सब घटनाओं से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने उपद्रवियों से कहा कि स्याही फेंकने या कुछ पत्थर फेंकने के बाद भागें नहीं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जोगिन 3 शिखर

उत्तराखंड की एक चोटी

6116 मीटर ऊंची, 400 मीटर की तकनीकी दीवार के साथ और बैग में 1300 मीटर रस्सी के साथ चढ़ने का मौका मिला। यह चढ़ाई मेरे लिए खुद को कठोर प्रशिक्षण देने का प्रयास था क्योंकि मेरी योजना भारत की सबसे ऊंची चोटी कंचनजंगा शिखर पर चढ़ने की है। मैं अपने एडवांस कोर्स के लिए एनआईएम में था। यहां मुझे माउंट जोगिन 3 6116 मीटर चढ़ने का मौका मिला। 25वें दिन की सभी ट्रेनिंग ने हमें शानदार सफलता दिलाई और कोर्स 177 में हम शिखर पर पहुंच गए। 27 तारीख की सुबह 4 बजे मैं महाराष्ट्र के पुणे स्टेशन पहुंचा। भव्य स्वागत के लिए सभी शुभचिंतकों का धन्यवाद।

दास ने 18वें सांख्यिकी दिवस सम्मेलन में कहा

आंकड़ों की गणना पद्धति में पूर्वाग्रहों को हटाना जरूरी : आरबीआई गवर्नर

मुंबई हलचल / मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कृत्रिम मेधा (एआई) एवं मशीन लर्निंग का इस्तेमाल बढ़ने से आंकड़ों की गणना-पद्धति (एल्गोरिद्म) में पूर्वाग्रहों को खत्म करने की जरूरत बतायी। दास ने केंद्रीय बैंक की तरफ से आयोजित 18वें सांख्यिकी दिवस सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में निष्कर्ष निकालने के लिए सांख्यिकी का इस्तेमाल एक पसंदीदा साधन के तौर पर लगातार बढ़ रहा है और यह क्षेत्र अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए तथ्यों के संग्रह से आगे बढ़कर व्याख्या एवं निष्कर्ष निकालने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है।

कंप्यूटिंग की बढ़ी ताकत तेजी से इस्तेमाल हो रही

दास ने कहा कि नजरिये में आए इस बदलाव ने सांख्यिकी को अन्य प्रमुख विषयों का अभिन्न अंग बनने की छूट दी है। निर्णय निर्माण की दक्षता में सुधार और मानवीय ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगकर्ता के अनुभव को समृद्ध करने के लिए सांख्यिकीय तरीकों को अपनाने में कंप्यूटिंग की बढ़ी ताकत का तेजी से इस्तेमाल हो रहा है।

डिजिटल पहुंच के दोहन का प्रयास

दास ने कहा कि रिजर्व बैंक की टीम इन घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि आरबीआई वैकल्पिक डेटा स्रोतों से अपेक्षाओं, भावना संकेतकों और नीति विश्वसनीयता वाले उपायों का विश्लेषण करने के लिए विशाल कंप्यूटिंग शक्ति और बढ़ती डिजिटल पहुंच का दोहन करने का प्रयास कर रहा है।

- एआई एवं मशीन लर्निंग के प्रयोग से एल्गोरिद्म खत्म किया जाए
- साख्यिकी का इस्तेमाल पसंदीदा साधन के तौर पर बढ़ रहा
- यह क्षेत्र निष्कर्ष निकालने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है

डिजिटल डेटा की मात्रा व भंडारण बढ़ रहा

दास ने कहा कि संग्रहीत डिजिटल डेटा की मात्रा और भंडारण क्षमता में तेजी से वृद्धि हो रही है जिससे नए अवसरों के साथ नई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा, अब ध्यान एआई और मशीन लर्निंग तकनीकों में क्षमता बढ़ाने और अव्यवस्थित डेटा का विश्लेषण करने पर है।

रिजर्व बैंक ने कई क्षेत्रों में एआई व मशीन लर्निंग अपनाया

इस दौरान नैतिक पहलुओं को भी ध्यान में रखने और एल्गोरिदम में पूर्वाग्रहों को खत्म करने की जरूरत है। रिजर्व बैंक ने कई क्षेत्रों में एआई और मशीन लर्निंग विश्लेषण को अपनाया है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक अब उच्च आवृत्ति और वास्तविक समय पर उपलब्ध डेटा की निगरानी एवं विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक प्रणालियां विकसित करने का लक्ष्य बना रहा है।

आरबीआई ने एचएसबीसी पर लगाया जुर्माना

आरबीआई ने कार्ड से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर हांगकांग व शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएसबीसी) पर 29.6 लाख रुपये का जुर्माना शुक्रवार को लगाया। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि एचएसबीसी पर यह जुर्माना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 'बैंकों के क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और रुपया मूल्यवर्गित सह-ब्रांडेड प्रीपेड कार्ड परिचालन' पर जारी कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

TRANSFORM YOUR BUSINESS THROUGH

ALPHA MIND PROGRAMMING

By:

PRAVEEN SAGAR

Ready To Grow **3X**?

JOIN

Our Scientifically Proven
Mind Power Session For
Massive Success & Happiness

What You'll Achieve?

- Super Sales
- Crossing Targets
- Wholistic Work Life Balance
- Big Money with Peace of Mind

PRAVEEN SAGAR
Mind Power Success Coach

"I INK WHAT YOU THINK"

+91 99788 00522 / +91 94283 30770
psagarmanpuria@gmail.com
praveensagarmindguru
praveensagarMindGuru

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रेग्नेंट हैं सोनाक्षी सिन्हा!

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के महज 5 दिन बाद ही प्रेग्नेंसी की अफवाहें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई हैं। हाल ही में दोनों को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल से बाहर आते देखा गया, जिसके बाद यह चर्चा शुरू हो गई कि सोनाक्षी प्रेग्नेंट हैं। दरअसल, इंस्टेंट बॉलीवुड द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में सोनाक्षी और जहीर की सफेद मर्सिडीज को कोकिलाबेन अस्पताल से बाहर निकलते देखा गया। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और नेटिजन्स ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि सोनाक्षी प्रेग्नेंट हो सकती हैं। कुछ यूजर्स ने आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का एक्साम्पल देते हुए कहा कि शादी के तुरंत बाद प्रेग्नेंसी की घोषणा करना कोई नई बात नहीं है। सोनाक्षी की प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर नेटिजन्स के कई तरह के रिएक्शन सामने आए हैं। कुछ यूजर्स ने कॉमेंट किया, मेडिकल टेस्ट, भले ही वह गर्भवती हो, यह अच्छी खबर है। वहीं, कुछ ने लिखा, बेबी आ रहा है, और मुबारक हो जहीर भाई, तुमसे यही उम्मीद थी। सोनाक्षी और जहीर के हाथ में पहनी इंगेजमेंट रिंग पर भी सवाल उठाए गए हैं। एक रेडिट यूजर ने सोनाक्षी की पुरानी तस्वीर शेयर की है जिसमें उन्होंने वही अंगूठी पहनी हुई है जो उन्होंने शादी के समय पहनी थी। इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए दावा किया गया कि सोनाक्षी और जहीर दो साल पहले ही सगाई कर चुके थे।

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSHS' GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. : 2011

G. D. JALAN COLLEGE

Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board (MARWARI MINORITY)

Upper Govind Nagar, Malad (East)

NAAC accredited with B+ ISO 9001: 2015 Certified College

Admissions Open

The following programs are as per National Education Policy (NEP 2020)

B.Com.: : Bachelor of Commerce

B.Com.: : Bachelor of Commerce (Management Studies)

B.A.F.: : Bachelor of Commerce (Accounting and Finance)

B.Sc.: : Bachelor of Science

B.Sc.I.T.: : Bachelor of Science (Information Technology)

College Code : MU-0527

Contact Number: 9321558419/ 9321674124